श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री हयग्रीवाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री हयग्रीवाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

1	ओं हयग्रीवाय नमः
2	ओं महाविष्णवे नमः
3	ओं केशवाय नमः
4	ओं मधुसूदनाय नमः
5	ओं गोविन्दाय नमः
6	ओं पुण्डरीकाक्षाय नमः
7	ओं विष्णवे नमः
8	ओं विश्वम्भराय नमः
9	ओं हरये नमः
10	ओं आदित्याय नमः
11	ओं सर्ववागीशाय नमः
12	ओं सर्वाधाराय नमः
13	ओं सनातनाय नमः
14	ओं निराधाराय नमः
15	ओं निराकाराय नमः

16	ओं निरीशाय नमः
17	ओं निरुपद्रवाय नमः
18	ओं निरञ्जनाय नमः
19	ओं निष्कलङ्काय नमः
20	ओं नित्यतृप्ताय नमः
21	ओं निरामयाय नमः
22	ओं चिदानन्दमयाय नमः
23	ओं साक्षिणे नमः
24	ओं शरण्याय नमः
25	ओं सर्वदायकाय नमः
26	ओं श्रीमते नमः
27	ओं लोकत्रयाधीशाय नमः
28	ओं शिवाय नमः
29	ओं सारस्वतप्रदाय नमः
30	ओं वेदोद्धर्त्रे नमः
31	ओं वेदनिधये नमः
32	ओं वेदवेद्याय नमः
33	ओं प्रभूत्तमाय नमः

34	ओं पूर्णाय नमः
35	ओं पूरयित्रे नमः
36	ओं पुण्याय नमः
37	ओं पुण्यकीर्तये नमः
38	ओं परात्पराय नमः
39	ओं परमात्मने नमः
40	ओं परञ्ज्योतिषे नमः
41	ओं परेशाय नमः
42	ओं पारगाय नमः
43	ओं पराय नमः
44	ओं सर्ववेदात्मकाय नमः
45	ओं विदुषे नमः
46	ओं वेदवेदान्तपारगाय नमः
47	ओं सकलोपनिषद्वेद्याय नमः
48	ओं निष्कलाय नमः
49	ओं सर्वशास्त्रकृते नमः
50	ओं अक्षमालाज्ञानमुद्रायुक्तहस्ताय नमः
51	ओं वरप्रदाय नमः

52	ओं पुराणाय नमः
53	ओं पुरुषश्रेष्ठाय नमः
54	ओं शरण्याय नमः
55	ओं परमेश्वराय नमः
56	ओं शान्ताय नमः
57	ओं दान्ताय नमः
58	ओं जितक्रोधाय नमः
59	ओं जितामित्राय नमः
60	ओं जगन्मयाय नमः
61	ओं जन्ममृत्युहराय नमः
62	ओं जीवाय नमः
63	ओं जयदाय नमः
64	ओं जाड्यनाशनाय नमः
65	ओं जपप्रियाय नमः
66	ओं जपस्तुत्याय नमः
67	ओं जापकप्रियकृते नमः
68	ओं प्रभवे नमः
69	ओं विमलाय नमः

70	ओं विश्वरूपाय नमः
71	ओं विश्वगोप्त्रे नमः
72	ओं विधिस्तुताय नमः
73	ओं विधीन्द्रशिवसंस्तुत्याय नमः
74	ओं शान्तिदाय नमः
75	ओं क्षान्तिपारगाय नमः
76	ओं श्रेयःप्रदाय नमः
77	ओं श्रुतिमयाय नमः
78	ओं श्रेयसांपतये नमः
79	ओं ईश्वराय नमः
80	ओं अच्युताय नमः
81	ओं अनन्तरूपाय नमः
82	ओं प्राणदाय नमः
83	ओं पृथिवीपतये नमः
84	ओं अव्यक्ताय नमः
85	ओं व्यक्तरूपाय नमः
86	ओं सर्वसाक्षिणे नमः
87	ओं तमोहराय नमः

88	ओं अज्ञाननाशकाय नमः
89	ओं ज्ञानिने नमः
90	ओं पूर्णचन्द्रसमप्रभाय नमः
91	ओं ज्ञानदाय नमः
92	ओं वाक्पतये नमः
93	ओं योगिने नमः
94	ओं योगीशाय नमः
95	ओं सर्वकामदाय नमः
96	ओं महायोगिने नमः
97	ओं महामौनिने नमः
98	ओं मौनीशाय नमः
99	ओं श्रेयसाङ्गतये नमः
100	ओं हंसाय नमः
101	ओं परमहंसाय नमः
102	ओं विश्वगोप्त्रे नमः
103	ओं विराजे नमः
104	ओं स्वराजे नमः
105	ओं शुद्धस्फटिकसङ्काशाय नमः

106	**ओं जटामण्डलसंयुताय नमः**
107	**ओं आदिमध्यान्तरहिताय नमः**
108	**ओं सर्ववागीश्वरेश्वराय नमः**

॥ इति श्री हयग्रीवाष्टोत्तरशतनामावलिः समाप्ता ॥